तुबारि

www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

Issue - 097,
July. 2020

इस मेह्ने तुबारि संस्करण तुसी हरालण जे अस सुआ खुश असे। छने पढ़ुण जे एन्हि कथाई त कविताई पुठ चिकिण दिए। वापिस इस पन्ने पुठ एण जे पन्ने पड्डे दुतो विषय सूची पुठ चिकिण दिए। धन्यवाद

क्र.	विषय सूची	पृ.
1	में पांगेई तीं अब्बल असु	2
2	धिक सोचे	3
3	भले मेह्णु	4
4	अपु अपु स्वाभव	6
5	बेहम	7
6	बस यक मनट	10
7	लखे टके बोक	13
8	कोरोना बीमारी	14

में पांगेई तीं अब्बल असु

चेन्नी ईं धरती त सुन्ने ईं जन असा
ए में तीं टयारु टयारु पांगेई भो।
हें पांगेई बोड़े बोड़े फाट असे
तीं अब्बल त नीले नीले असे
होर इठि बसते मेह्णु भोड़े भाड़े,
चेन्नी ईं धरती त सुन्ने ईं जन असा
ए में तीं टयारु टयारु पांगेई भो।

ठन्नी ठन्नी बियार त नीला नीला अम्मर
होर नीली नीली किलाड़े नराली घाटी असी,
चेन्नी ईं धरती त सुन्ने ईं जन असा
ए में तीं टयारु टयारु पांगेई भो।

इठि भुन्ते ऊनी के ब्याथुड़ त ऊनी के चदूर
होर जिल्हणु के मगरी पुठ अब्बल सजती मठणी ईं जोजी
जेस अन्तर जोसणी त तारी के ईं अब्बल टीकू चमकते,
चेन्नी ईं धरती त सुन्ने ईं जन असा
ए में तीं टयारु टयारु पांगेई भो।

हें पांगेई हेरणे अतो अब्बल नजारा असा,
कि कोठि कोठि टठे टठे वदेए नस्ते ईं मेघे लगती,
होर इठि मेते भुंठ, थण
गोलि त जीरा टीठि टीठि
चेन्नी ईं धरती त सुन्ने ईं
जन असा
ए में तीं टयारु टयारु पांगेई भो।

विषय सूची

धिक सोचे

- जिन्दगी अन्तर अपणापन त हर कोई हरालता, पर अपु कोऊं भो, एस त सद वक्त जाणता।
- लेहर त तूफान दुहे यक बराबर असे, शांत भुण केआं बाद पता चलता कि कतो नुक्सान भुआ।
- वक्त बिती गा त मेह्णु भुलई छते, बेवजह मेह्णु अपु तेन्हि बि रुलाई छते। जे दीया राति भइ टगड़ियार देन्ता भ्याग भुन्ते ईं मेह्णु तेस बि हुशाणी छते।
- सुपन से भुन्ते जे उघण न देन्ते, होर अपु से भुन्ते जे रोलुण न देन्ते।
- जिल्हाणु कदी खिलौना न भुन्ती। से त परमात्मा केआं पता तीं पुजणे इन्सान भो, जे मौती मुँह अन्तर घेई कइ बि जिन्दगी जन्म देन्ती।
- मोउं जे झड़ते पन्नी बोलु, 'कि केसे पुठ भार बण घियल त अपणे ईं गोतियाई छते।
- अपु तेन्हि हमेशा अपु भुणे एहसास दियान्ते रिहे, न ता वक्त तुं अपु तेन्हि तुं बगैर जीण शिचाल छता।

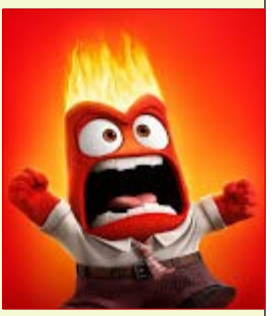

- झूठ बि कतु अजीव असु, अपफ बोलु त अब्बल लगतु, होरी बोलु त लेहर एन्ती।
- तकलीफ त हर रोज नोई नोई खड़ी भोई घेन्ती, जीत घेन्ते, से जेन्के सोच बोडी भुन्ती।

विषय सूची

भले मेह्णु

यक रोजे बोक भो कि केसे ग्रां अन्तर यक मेह्णु सुआ बिमार थिया। सोब मेह्णु तेसे मरणे इ उम्मीद अन्तर थिए, कि फलाण मेह्णु जां त अपु प्राण कपाल दी छांता। सोब मेह्णु तेसे भेएड़ जे ए त तेसे सोबी जेईं खरी टहेल पाणी की।

तेन मेह्णु कोई मेहना जां कि कटा दे से मरी गा। जिखेईं से मरा, तिएस तेस ग्रां अन्तर बोड़े भारी कम मेह्णु थिए। जिखेईं तेन मेह्णु प्राण दिते त तेसे गी सद से टाई जेईं थिए। से, तेसे जुएली त तेन्के यके कुआ। होरे त कोई नेओथ। तेन मेह्णु जिखेईं अपु मुँहु बाकु त तेसे जुएली सोचु कि अब एस अराम लागण भोल लगो। तेन बले बले से उंघण दिता। जिखेईं तेस जोई मिइण जे कोऊं यक दुई जे ए त तिखेईं से तेन्हि खड़ेरण ला त से टाटोरा भोई गो थिया। तेन्हि दुहि बोलु कि अब ए असी बच न रिहा त तेन्हि तेसे कुआ जे नियांग दिती कि तु दौड़ी कोल कइ घी आण। तोउं कोईए यक कोल भरी घी अणु। तोउं तेन्हि सोभी जेईं तेसे आस अन्तर धी छऊ। तेस कियां पता यक जे भेयाड़ी भिआंण जे गा। सोब भेयाड़ जिखेईं तेसे अन्तर ए त तेन्हि तेस सन्हुण दिआऊं त से शता छा। यक मेह्णु से घिक भई डमहा यक मेह्णु जे बोलु कि तु ग्रां पता कर जिखेईं से ग्रां जे गा त तेस पुरु ग्रां शुनु मेऊ। किस कि बरशाड़े टेम थिया। कोउं कोथ त कोउं कोथ। से दोड़ी दि गी आ तेन बोलु कि मेह्णु सोब जे कम बठ असे।

विषय सूची

यक मेह्णु तेस जे बोलु कि तें शबश, तु कुछ त कुछ कर ना त ए ओ शुणेते कि कइ लगहा। तेन मेह्णु बोलु कि “तुस चंता न करे। अउं सोब जगाई कम बठ घेन्ता त सोबी जे बोता कि तेन्के तें इ इ भोई गो असु। तेन बोलु “ठीक जी।” तेन दौड़ दिती दे, से सोबी जे बोता।

पता सोब जे कठे भुए दे, तेस मेह्णु गी जे गे। जिखेईं से सोब मेह्णु मीए त तेन्हि जे अन्तरा नियांगी लगी कि “तु फलाण जगाई जे गा, तु फलाण जगाई जे गा।” से सोब जेईं अपु अपु हसाब जुओई गे। जीं सुराल बेहि चेड़ी यक जेईं टज हक देण जे बि लंघाए। तिएस रात सोब ग्रां तेन्के तेठी दाल ठाटण थिए। सोभ मेह्णु रात भई खड़ खड़ बिशे त यक जेईं गीता पढ़ी, होरे सोब

जे शुणी बिशो थिए। जिखेईं भ्याग भुई त सोब जेईं ए। जे कोउं तेसे रिश्तेदार थिए, तेन्हि तेस बठ टेली बगैरा छेई। केनी केनी तेस जे दुई केश कटे, जे स्याणे त मठड़ थिए। होरे सोब जेईं तेस मेह्णु नी कइ नशे। बच अन्तर कुछ ई बी मेह्णु मेईए जेन्के बारे सोब मेह्णु खरू खरु बोतेथ। जिखेईं से बोक करण लगे त से होरी जे खरु खरु बोलण लगो थिए कि ए महेणु जे केसेरी केसे बी कम

अन्तर सात देते, से सोब खरे मेह्णु भुन्ते। पर एस बोक शुण कइ केसे बि मेह्णु सुआ खुश न भुण चाहिए, किस कि तेन्हि बुचा यक जेईं आज मर गो असा।

विषय सूची

अपु अपु स्वाभव

यक सधु बाबा दरियोए ओत सन्हुण करण लगो थिआ। तेन हेरु कि दरियोए तेज छलहारे जुओई यक बीछू बोहुईंता गो असा। सधु बाबे से अपु आंजल अन्तर कइ छड़ा, ताकि तसे जान बच घिएल। आंजल अन्तर कते ईं बिछु सधु बाबे हथ डसी छड़ा। डसते ईं सधु बाबे तीं चड़ग लगी त आंजल अन्तरा बिछु फि दरियो अन्तर झड़ी गा। सधु बाबे फि बिछु जान बचाणे कोशिश की। बिछु फि डसी छड़ा। फि सधु बाबे टाणे कोशिश की, फि डसी छड़ा। ईं कते कते सुआ भोई गोऊ, त सधु बाबे सोब चेले बि हेरी बिशो थिए।

ईं सोब हेरी कइ सधु बाबे चेली पुछु, “बाबा जी, ए दुष्ट जीव घड़ी घड़ी तुसी डसण लगो असा, फि बि तुस एस किस बचाण लगो असे?” सधु बाबे बोलु, “गभुरो, अपु अपु स्वभाव असी। अपु अपु धर्म असा। जपल कि ए अपु डसणे स्वभाव छड़ ना दी सकता त अउं अपु होरी मदद करणे स्वभाव कीं छड़ दी सकता?” वैसे बि ईं जरुरी नेई कि जे तुसी दुख देन्ता त तुसी बि तेस दुख देण। जे कोउं तुसी दुख देन्ता, तुस तेन्हि अतो सुख दिए कि से हर जगाई तु तारीफ कता फिराल।

धाणि त तसे जुएली केआं अब सते बंटी अठ फेरे लवाण चाहिए। सत फेरे तेन्के व्याहे, अढुं जे फेरा असा, से कुई जे लवाण चहिए कि से कुई बचान्ते त तेस पढ़ान्ते ।

विषय सूची

बेहम

यक दरियो थिआ, तेस नउ स्वर्णरेखा थिउ। दरियोए ओत यक सधु बाबे आश्रम थिया। केहि चेले तठि बिश कइ सधु बाबे केआं ज्ञान नेन्तेथ। यक रोजे बोक भुओ। भ्यागे टेम थिआ। मठे मठे ठन्हि बियार लगो थी। सधु बाबे अपु चेली ज्ञाने बोके बताण लगो थिआ। अजागता तेस जगाई खतरनाक डाकू कालू सिंह तेठि एई गा। तेन सधु बाबे त तसे चेली के धे हेरु। सधु बाबे त तसे चेली डाकू कालू सिंहे धे नेओथ हेरो। तेन्हि तसे एणे पता ईं नेओथ लगो।

चेरे तकर डाकू कालू सिंह यक जगाई खाखड़ बिशा। पर केसेरी नजर न घेणे बझई जुओई केनि तेस जे किछ न बोलु। तेन समझू ए सोब जेईं मोउं बेज्जत करण चाहन्ते। डाकू लेहरी कइ बोलु, “सधु बाबा, तें ईं मजाल ना?” तोउं सधु बाबे झट तसे धे हेरु त मठे बोलु, “कोउं भींथ तुस, भाई?” “तु मोउं न जाणता ना? अउं भुओ डाकू कालू सिंह!” तेन घमण्ड जुओई बोलु। सधु बाबे आराम जुओई बोलु, “इ त आश्रम भुओ। इठि चेले ज्ञान नेण जे एन्ते। डाकू के इठि की कम? फि बि बोल, अउं तें की सेवा कइ सकता?

विषय सूची

“इठि में बेज्जती भुओ असी। अउं अपु बेज्जती सेहन न कइ सकता।” डाकू कालू सिंहे टीर सद लाल लाल नजर एण लगो थिए। सधु बाबे पुछु, “की बेज्जती?” “अउं इठि सुआ चेरे केआं खाखड़ असा। पर केनि मेन्धे न हेरु,” डाकू कालू सिंहे फि बोलु “सधु बाबा अच्छी तरह जाणी गा कि इ में ईलाका भुओ। में मर्जी बगैर इठि यक पन्ना बि ना हिलता।” “ए तें बेहम भुओ, कालूसिंहा” सधु बाबे नडर भोई कइ बोलु। “केसे बि डाकू अन्तर अति तागत भोईं ए न सकती कि तसे मर्जी बगैर यक पता बि न हिल सके।” डाकू कालू सिंहे जोरी जुओई बोलु, “ए सोब सचु असु।”

सधु बाबे बोलु, “कदि ना, समाड़ी बुटे पन्ने त हिलं लगो असे ना। अउं हेरता एन्हि हिलण केआं तु कीं रोक बटता। अभेंईए तें तागती असी बि पता लगी घेन्ता।”

“में केहणे मतलब तेईं न समझा, सधु बाबा” डाकू कालू सिंहे बोलु। सधु बाबे बोलु, “मेईं ठीक समझू, नासमझ तु भो। तोउ समझणे जरुरत असी, असी नेई। उओ हेर, बुटे पन्ने अभेईं बि हिलण लगो असे। तु अपु तागत लाई कइ एन्हि हिलाणे कोशिश कर” कालू सिंह सधु बाबे बोके अटपटी लगी। कालू सिंह अगर घेई कइ बुटे भेएड़ गा। तेन बुटे डा टाई कइ जोरी जुओई पन्ने हिलाणे कोशिश की। पर तेन बुटे डाई हिलाई न बटी। होर यक बि पन्ना न हिला। कालू सिंह थकि कइ त धुप फटि कइ जीं सन्होईं गा।

विषय सूची

अब पन्ने हिलते। सधु बाबे बोलु त बुटे पन्ने हिलण लगी गए। डाकू कालू सिंह सधु बाबे केहि लिंगि ए चमत्कार हराला कि से जे बोताथ, सामड़ी बुटे पन्ने तसे केहना मानतेथ। कालू सिंहे सधु बाबे शक्ति हेर छई। मठे मठे कालू सिंहे लेहर भक्ति अन्तर बदली गई। से झठ सधु बाबे खुरी पुठ उटऊ झड़ी गा त जोरी जोरी रोलुण लगा।

सधू बाबे से खड़ेरा त फि पुछु, "रोलुण किस लगो असा? कालू सिंहे मठे बोलु, "मेईं अपु जिन्दगी अन्तर सुआ कुकर्म कियो असे, सधु बाबा! अब तुसे में कल्याण कइ सकते। अउं तु शरण अन्तर अओ असा। तोउं सधु बाबे से समझा। "कालू सिंहा, याद रख, जिस्मे तागत गलत कम जे लाणे बेलि तागत बधती नऊ, बल्कि घटी घेन्ती। आज तकर तेईं अपु तागत सिर्फ गलत कम जे लओ असी। अपु कल्याण करण चाहन्ता त यक कम कर।"

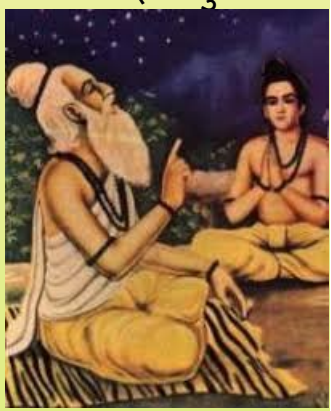

"बोले" कालूसिंहे बोलु। "आज केआं खड़ अपु तागत खरे कम जे ला। त हरेक मेह्णु भलाई कर। तें आज तकरी कुकर्मी के एईए सही पछतावा भुओ।" तोउं सधु बाबे बोलु, "हरेक बिमरी ईलाज असा। बस सिर्फ टेम जुओई ईलाज भुओ लोता।" "अउं ईहांणि कता।" ईं बोल कइ डकू कालु सिंह तठिआ घेई गा।

विषय सूची

बस यक मनट

यक कुआ थिआ। तेस नोउ आलोक थिउ। आलोक जिहांणी स्कूला आ तेन झोड़ा टाई कइ कुणसी पुठ फटाई छड़ा। तेन झठ टी वी ए रिमोट टाता त टी वी हेरण बिश गा। तोउं तसे ई अन्तर आई त से समझा, “वे कोया पेहले हथ मुँह धोई कइ किछ खाण दे। ए सोब पता हेर।” पर आलोक पुठ कोई असर न भुआ। ईए दुबारी बोलु त आलोके यके जवाब दिता “बस यक मनट ईया।”

आलोके लिए ए कोई नोई बोक न थी। ए तसे रोजे कम थिउ। तेस जो कोई जेईं बि केसे कमे बोतेथ त जवाब अन्तर से बस ईहांणी बोताथ। “बस यक मनट।” ईं बोल कइ से अपु कम अन्तर लग घेन्ताथ। तसे इस यक मनटे बीमरी बेलि न सिर्फ गी टबरा, बल्कि तसे दोस्त, त स्कूल मास्टर बि दुखी थिए। गी सिर्फ आलोके दादी थी, जेस केईं सुआ टेम थिआ। से बि आलोके एस आदत भली चंगी जाणतीथ। तोउं त दादी डर थिआ कि ई कर कइ त ए कुआ न किछ शिच बटता, होर न ढंग जुओई पढ़ी सकता। बल्कि दन भइ खेलणे त टी वी हेरणे बेलि ए बिगड़ी बि घेण असा। तोउं त दादी सोच छऊं कि किछ भोल न भोल पर से आलोक सुधारणे पूरी कोशिश कती।

विषय सूची

तिएसे ब्यादी दादी गीहे सोबी जेईं जुओई साते यक उपया बता जेसे बेलि आलोक सुधीर सकताथ। हेउस भ्यागे आलोक केनि न खड़ेरा। पर जपल से खड़िया, तेन पेहले घड़ी हेरी। आज से सुआ चेरे खड़िए थिआ। से झठ झठ स्कूल जे तेयारीण लगा। तिखेईं तसे स्कूले बस एई गई।

तोउं आलोके बोलु, "ईया, झठ में रोटि के डब्बा दे। बस एई गई।" ईए बोलु, "बस, यक मनट।" ईं शुण कइ आलोक धिक हैरान भुआ, पर बसी हॉर्ने से रुकण न दिता त तेस बगैर रोटि डब्बे स्कूल जे घेण आऊ। स्कूल जपल मास्टरे तसे कापी हेरी त आलोके अधूरु कम हेर कइ मास्टरे से खरा धमका। धिक पता केलैउ खाणे टेम भुआ। पर तेन आज रोटि नेओथ अहण्तो। जिखेईं स्कूले छुट्टी भुण केईंया पता, से गी पुजा त ढुकि बेलि तसे बुरा हाल थिआ। आज त तेन झोड़ा भीं छड़ा त खेलणे जे घेणे बझाई तेन सधे खांजे मगु। ईए खांजे दी छऊ। ब्यादी टी वी हेरते टेम जपल आलोके अपु बोउ केईंया रिमोट मगा त बोउए बोलु "बस यक मनट।"

जीं तीं कर कइ शणेचर आ त राति बोउए बोलु कि शुई ऐतवार असा। अस सोब पिकनिक पुठ घेन्ते। आलोक सुआ खुश थिआ। से झठ घेई कइ उंघ गा। हेउस भ्यागे सोब पिकनिक गे।

विषय सूची

जीं जीं से पाणि अन्तर घेन्ता, तीं तीं पुओणी डुघु भुन्तु घेन्तु, तिखेईं तेन अपु बोउ जे हक दिती, "बोउआ, पुओणी डुघु असु। मोउं बाहरी किढ़े।" बोउए बोलु, "बस यक मनट, कोया।" पुओणी आलोके नक तकर एई गऊ। तेन हुशरी दिती बचाए, बचाए। बोउए बोलु "बस यक मनट।" अतु भु दे आलोके पूरा पाणि अन्तर डूबी गा। तोउं से झजका त उंघीया खड़ी गा। तेन हेरु कि तसे ई बोउ दादी पूरा टबरा तसे भेएड़ खाखड़ बिशो असा। दादी तसे मगिर पुठ हथ फेरु त पुछु, "आलोका तु बचाए बचाए किस बोलुण लगो थिया?"

अतु शुणते ईं आलोके टीरी बइ अंखू एई गए त बोलु, "दादीए मोउं माफ करे। मेईं कम न करणे चक्कर अन्तर सोब जेईं सुआ परिशान किओ असे। अब अउं केसे जे बि यक मनटे लिए न बोता, किस कि सुआ कम जरुरी भुन्ते जे कदि न टलहा चाहिए।

दादी हसी कइ बोलु, "जे गभुरु कम टहलांते त न कते, से अगर घेई कइ सुसत त कमचोर बण घेन्ते। तोउं त से केसे बि टयारे न लगते त सोब जेईं तेस हेर लेहरींते।" दादी सोब बोके आलोके समझ एई गई।

विषय सूची

तुबारि मासिक पत्रिका

- तुबारि मासिक पत्रिका ई उम्मीद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेह्णु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।
- इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।
- तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।
- तुबारि पत्रिका कोई मेह्णु] जनजाति] त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।
- छपाणे पेहले सोब आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेह्णु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेहलि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।
- आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेह्णु के साथोट ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।
- कोई चीज छपां असी या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।
- अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।
- अस सोबी पांगी मेह्णु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर लिख कइ छपां जे हेंधे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

9418429574
9418329200
9418411199
9418904168
9459828290

लखे टके बोक

ए ट्यारेओ! जपल तुस होरे होरे परिशानी के बेलि परखिन्ते त तस तुस खुश भुणे बोक समझे। किस कि तुसी पता असा कि तुं विश्वासेरी परीक्षाई बेलि तुं सेहणे ताकत बधती। त इस सेहणे ताकत हउ बि बधण दिए, किस कि जपल सेहणे ताकत रज्जि बधती, त तुस बगैर कोई दोषे पक्के भोई घेन्ते। होर तुसी अन्तर कोई कमी ना भुन्ति। पर अगर तुसी अन्तर बुद्धि घट असी त तेस दानी परमेश्वर केआं मागिण दिए जे सोबी के धे दिल खोल कइ देन्ता। से भलमास भोई कइ तुंधे दी छता।

विषय सूची

कोरोना वायरस संक्रमण
अफवाह नेई
सुसुर जानकारी
फैलाण दिए!

सुरक्षा के उपायः क्या करें और क्या न करें
क्या करें
अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता पर ध्यान दें
साबुन से लगातार हाथ धोते रहें
छींकने और खांसने के दौरान अपना मुंह ढकें
जब आपके हाथ गंदे दिखें, तब अपने हाथों को साबुन और बहते पानी से धोएं
जब आपके हाथ स्पष्ट रूप से गंदे न हों, तब भी अपने हाथों को अल्कोहल-आधारित हैंड वॉश या साबुन और पानी से साफ करें
प्रयोग के तुरंत बाद टिशू को किसी बंद डिब्बे में फेंक दें
अस्वस्थ महसूस होने पर डॉक्टर से मिलें
क्या न करें
यदि आपको खांसी और बुखार हो तो किसी के संपर्क न आएं
सार्वजनिक स्थानों पर न थूकें
जीवित पशुओं से संपर्क या कच्चे/अधपके मांस के सेवन से बचें
खेतों की यात्रा, जीवित पशुओं के बाजारों में या जानवरों के वध किये जाने वाले स्थलों पर न जाएं

कोरोना लगो असा असी तोपुण,
केसे कन कियड़ी घेई शचुण,
चौकने भोई बिशे, ट्यारिओ!
ना त नामुमकिन असु एस रोकुण।

विषय सूची